

* मनोरंजन की उमिरा (Introduction of Recreation)

मनोरंजन मधर फ्रांसीसी (Latin) भासा रे 'Recreation' मधर उ किमा किमा जे। एहि मधर 'Recreation' के मरि ने बहिकमा जे। 'Re' रा अरथ जे 'सृजन'। एका मधर जे 'Recreation' मरि बने ही बेम बने जे जे का काडत हिन विचिमा है वहन ताए बराबर मरिजम जेरी जे सां जे सिडागी विमे उक्त है मरिजम जे सां उकां रा अठिकाम बने जे जे का काडत उम विचिमा है वहन ताए बराबर जेह देवरी जे। एम मधिती हिन सिडागी है मरिजम विचिमा है मरिजम जेरी उमरा जी सृजन रे सृजन किये सां मरिजम किये मधिती रा यकन किमाहु वहन रे एही जेहा ता जेही कमिगे विचिमा बने घेरौ जे निम ताए बराबर मरिजम ता जेह उ सिडागी सां हिमरती मरिजम गमरती जेही मरिजम है सृजन किये यकन मरे। एम मधिती हिन सिडागी विचिमाएं बने मरिजम सां मरिजम उम उकां है मनोरंजन रे मरिजम बने उम। मनोरंजन मरिजम हिन मरिजम जी बीजे साह दाही विचिमा जे निमरे एकाए हिमरती है हिमरतीगत मरिजम जे मरिजम किये जे।

मनोरंजन मधर रा अरथ उम-उम जेहा प्रथी हिन हिन जे। हिन सापारत हिमरती है एही हिन वरु ही जे मरिजम जे। जे उमरें मरिजम मनोरंजन सां अरथ हिन जे अठ हिन हिन सां मरिजम सिडे वि विडाए यकन मरिजम अठ मरिजम उम जे व मरिजम विचिमाएं, थडां उ मरिजम विचिमाएं,

Definition of Recreation:-

जी. डी. बटलर (G.D. Butler) का मत है, "मनोरंजन निर्यात के लिए व्यक्ति को स्वयं चयन से, जो व्यक्ति को व्यक्तिगत रूप से प्रिय है, जो व्यक्ति को व्यक्तिगत रूप से प्रिय है, जो व्यक्ति को व्यक्तिगत रूप से प्रिय है।"

(Recreation is any form of experience or activity in which an individual engages from choice, because of the personal enjoyment and satisfaction which it brings directly to him.)

जे. डी. रॉमन का मत है, "मनोरंजन निर्यात के लिए व्यक्ति को स्वयं चयन से, जो व्यक्ति को व्यक्तिगत रूप से प्रिय है, जो व्यक्ति को व्यक्तिगत रूप से प्रिय है।"

(Recreation is a way of life)

रोमनी (Romney) का मत है, "मनोरंजन निर्यात के लिए व्यक्ति को स्वयं चयन से, जो व्यक्ति को व्यक्तिगत रूप से प्रिय है, जो व्यक्ति को व्यक्तिगत रूप से प्रिय है।"

(Recreation is not a matter of motions but rather of emotions. It is personal response, a psychological reaction, an attitude, an approach, a way of life.)

उत्तिम (Hutchinson) का मत "मनोरंजन वह है जो
होने वाली है।" यह वाक्य युरिगिमा के सिद्ध
ममान हुआ माता युपत है। उ हिमरती हिमर
हिए मापती हिहा मलाठ उगा में है, निम रगत
उमने उंड मडुमरी मिहरी है।"

(Recreation is a worth while, socially
accepted, leisure experience that provides
immediate and inherent satisfaction to
the individual who voluntarily participates
in an activity.)

* उपयोग्य यक्तिमादां का अधिकतम वक उ वामर
हिए मयेंमट उ गिमा उ रि :-

1. मनोरंजन विभिन्न हिमरतीगत वही है मलाठ
उहीमां उपीरीमां उ।
2. मनोरंजन रम माकमिर उ मगीर युमलता युएल
रहरा है।
3. मनोरंजन विभिन्न नू ममानि माता उही उपीरी उ।
4. हिमरती ही मयमीमत नू हिरमित, रहरा है,
उ नू उ हिमरती मलाठ उ।
5. मनोरंजन हिमरती मयें ही उहिउ हउ वक लए
मधीपउ है।
6. मनोरंजन का मधीप हिमरतीगत मडुमरी लए है।
7. हिमरती उअरीक मिहरी है उ।

* मनोरंजन के लक्ष्य (Aims of Recreation),

काम उ उ लक्ष्य उ उरुम मधरा नू
हिए नि ममहिमा मारां उ यव हिमरती नू है,
ही उहि उ उ उरुम लक्ष्य ही युपती है
मापक नू गिहती हिमरती मलाठ उ। लक्ष्य ही

युवापत्री एही नै थराम्म उन, डिउ डिउम उन। डिम्बरती ए थरुन खिाम टीउा उे उे युवापत्री ए मापन सिहें मगीवर मीहमिउर नैडिउर ममाफिर क्माए डिउम उन नै डिउम उे नै टीउर ए युवापत्री हिए मगाएउा ररुए उन। हिए जी मलेकन मँध टीउा उे नै गिम्मात, मिथिम्मा, डिम्माहां गगी युवापउे टीउा उे, हिए घराएर एउे टीरी उे उे मडिहमीहउा, एम थिम्मा, मएउाएता, मिउउा हूपरी उे।

* मलेकन रे डिउम (Objectives of Recreation)

1. मउमरी कउे धमी (Satisfaction and happiness):

मलेकन डिम्माहां मलेस रे डिम्बरतीउए कउे मपारुन गहां एा थिराम ररुएमां उन कउे सीएरु नै लही एिमा थुरल ररुए मलेस रे मगीवर एी घराएर नै एउ ररुएमां उन, सिम ताए डिउ घराएर एउ ररु रे डिउ यी मउती रे ताए रीम ररुन थोग उे मरी। मलेकन डिम्माहां सिहें थेउां हिए ठिमा हें रे मउमरी रीम धेउ, टंघर लेस कउे उम क्माए थरुए थेउां उन। थेउ ताए मउमरी कउे धमी मिहरी उे कउे मलेस मिउमर धहरा उे।

2. मगीवर थिराम (Physical Development) :- डिम

डिउम एी युवापत्री एही मलेस हिए सिगीमा मलेकन डिम्माहां ररुए उे कउे थेउां हिए मरुगरम उाग हेंए उे सिम ताए डिउम मगीवर मउमरी (Active Part) मउेए, एिउ थिउेहां कउे उेएरुमउ धहरा उे। थेउ, एउेउ, कउे मगीवर मलेकन डिम्माहां नै ररुन ताए मलेस रे मरु मीग ममाह थु हिए उाग हेंए उन सिम ताए मगीवर एा थिराम टीउा उे। थारुन थुहाणी, माउ डिमा कउे ममथेमीमां एी थुहाणी एी ररुनरुगउा हिए हावा टीउा उे। डिम उां मलेकन मगीवर थिराम हिए मगएी टीउा उे।

3. मानसिक विकास (Mental Development) :- मनुष्य के मन में होने वाले विकास को मानसिक विकास कहते हैं। यह सीखना, याद रखना, सोचना, निर्णय लेना, समस्याओं का समाधान करना, आदि हैं। यह विकास व्यक्ति को अपने जीवन में सफल बनाने में मदद करता है।

4. सामाजिक विकास (Social Development) :- यह विकास व्यक्ति के सामाजिक जीवन में होने वाले विकास को कहते हैं। इसमें निम्नलिखित बातें शामिल हैं:

- सहयोगिता (Co-operation)
- नेतृत्व (Leadership)
- बहादुरी (Boldness)
- आत्म-नियंत्रण (Self-control)
- आत्म-विश्वास (Self-confidence)
- आत्म-अनुशासन (Self-discipline)
- आत्म-प्रकटन (Self-expression)
- सामाजिक विचार (Democratic ideas)
- अच्छे आदतों का विकास (Good habits)

 यह विकास व्यक्ति को समाज में एक अच्छे नागरिक बनाने में मदद करता है।

5. व्यर्थ समय का उपयोग (Worthy use of leisure time) :- मनुष्य के पास काम के बाद बचे हुए समय को व्यर्थ नहीं बताना चाहिए। इसे व्यर्थ समय का उपयोग कहते हैं। इसमें निम्नलिखित बातें शामिल हैं:

- क्रीड़ा (Sports)
- पढ़ना (Reading)
- संगीत (Music)
- चित्रकारी (Painting)
- गाना (Singing)
- कसरत (Gymnastics)
- बगीचा बनाना (Gardening)
- सहज चर्चा (Casual conversation)

 यह व्यर्थ समय का उपयोग व्यक्ति को स्वस्थ और खुश रखता है।

एवं एक रा रीम यॉरिगां दिँ, यॉरिगां रा रीम कीरं
 दिँ ममायउ रीउा ना मररा उँ। एम प्ररी क्कपूरि
 मररु रीरु क्कपूरु एत उर रा रीम लियराउिउ मररु
 रादी दिउा ममां यउ नांरा उँ। एम दिउे ममां क
 धउउ, ररुं उम प्ररी एँर एँर एँर एँर नांरा उँ।
 मरुंरुन उमरी एम मरुंरुना रा उँर मराउिंरा उँ।

6. माउरुन लिमरुड (Character Development):- मरुंरुन
 रा मरुंरुन उरुम दिरुमरुणीमा ए माउरुन रा लिमरुड
 ररुंरा उँ मरुंरुन मरुंरां दिँ क्कनेरां रादु यीरा ररुंरा उँ
 निरां क पाठ ररुंरा उँ उँरा दिउरी कउ क्कपूरुम
 नगरिंर धउ मरुंरा उँ। यंडु ए मीरुन दिँर दिरुमरुणी
 मरुंरुमरुन, मरुंरुग कउ उरुमरुग ए मरुंरां रा यरुठ
 मीरुंरा उँ। उँर निनी पिंरां क मरुंरुंरु पिंरां उँ मरुंरुन
 ररुंरा मीरुंरा उँ। एम न रीरु जी रीग उँ री यंडु ए
 मीरुन उँर नगरिंर रा लिमरुड ररुंरा ए रायरांर उँ।
 यंडु ए मीरुंरां उँ मरुंरुं उँर मीरुंरु, मींरुयउी कउ
 उँर - रीरी ए नउा मीरुंरुं उँ। मरुंरुन लिमरुंरां दिँर
 उँरा रीरुंरां मरुंरुं दिँर क्कनेरां मरुंरां रा धिराम
 रींरा उँ। एम नरु उमरुं माउरुन रा लिमरुड रींरा उँ।

7. मूखमीमउ रा धिराम (Personality Development):-
 मरुंरुन लिमरुंरां दिँर दिमरुंरी क क्कपूरु मूखमीमउ रा
 लिधरु ररुंरा ए यरु क्कपूरु पुररुंरुं ररुंरां उँ। मरुंरुन
 मरुंरुंरुं दिमरुंरुंरां क यरुंरु रीरा उँ रीरुंरु मरुंरुंरुं
 नीरुन दिँर उँरुम उँरु रा मउ उँरु उँरु ररुंरा उमरुंरुं
 रींरा ए नरुंरुं उँरु मीरुंरुं नरुंरुं उँ। मरुंरुन
 दिमरुंरुं दिँर मरुंरुंरुं, यरुमरुं कउ क्कपूरु उँरुं ए मरुं
 यींरा ररुंरा उँ कउ मरुंरुं क मरुंरुं ए दिँर मीरुंरुं
 उँरुंरुं मीरुंरुंरा उँ। मरुंरुन लिमरुंरां दिमरुंरुं दिँर
 उँरा दिधरु, मरुंरुं कउ मरुंरुंरुं रींरां उँरुंरा ए

* मनोरंजन रूपों विभाग (Types of Recreation),

मनोरंजन रूपों मुख्य विभागों में निम्नलिखित हैं।

1. व्यापारिक मनोरंजन (Commercial Recreation):

मनोरंजन की विधाया जमल रहन एही नीती सारी है।
हिम विमम ए मनोरंजन दिउ ठक गिरीन, गेमिडिगमेंट
थावर क्वाडि क्वाडिरे ठक।

2. महामती मनोरंजन (Industrial Recreation):

मनोरंजन की विधाया हउ - हउ महामती पगई न
गोषागी क्वाडि क्वाडिरे चउ उउ क्वाडि महामती
एही रवर ठक।

3. ठाणीसुवर मनोरंजन (Community Recreation):

मनोरंजन उँवर माठ ठाणीसुवर ए वीरुठ नीरां है।
उउ जी हिम एही पठ की विधाया वरुा है क्वाडि
हिमने मीगठिउ वरुा है। क्वाडि विधाया थिउां क्वाडिमां
क्वाडि मठिमां हउ क्वाडि ह्मातीरां एही नीती सारी है।

4. परिवारिक मनोरंजन (Family Recreation):

महामतीमां एही ही परिवार क्वाडि हउउ ममे है।

5. कार्यात्मक मनोरंजन (Institutional Recreation):-

कार्यात्मक मनोरंजन एक सुविधा प्रदान करता है जिसमें व्यायाम, खेलों और प्रतियोगिताओं का है जिससे लोगों में शारीरिक तंदुरुस्ती आती है।

6. चिकित्सात्मक मनोरंजन (Therapeutic Recreation):-

चिकित्सात्मक मनोरंजन एक विधा है जिसमें खेलों और शारीरिक गतिविधियों का उपयोग है जो लोगों को शारीरिक रूप से मजबूत बनाने के लिए है।

* मनोरंजन के सिद्धांत (Principles of Recreation)

- 1. योग्यता निर्धारण के लिए आवश्यकताओं और जरूरतों को ध्यान में रखना चाहिए।
- 2. योग्यता निर्धारण के लिए व्यक्ति के निम्नलिखित विशेषताओं का ध्यान देना चाहिए।
- 3. योग्यता निर्धारण के लिए व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास का ध्यान देना चाहिए।
- 4. योग्यता निर्धारण के लिए व्यक्ति के रुचियों और शौकियों का ध्यान देना चाहिए।
- 5. योग्यता निर्धारण के लिए व्यक्ति के स्वास्थ्य और शारीरिक स्थिति का ध्यान देना चाहिए।
- 6. योग्यता निर्धारण के लिए व्यक्ति के जीवन के स्तर और परिस्थितियों का ध्यान देना चाहिए।

गर्भ एवं नौदल दधि जब दिकारती बोल दिकार ममां जेां के सिधे लखरा, रकती कउं देखी समरागी कारि जेव उउ दिकार ममां री उरिउत दउते बरत डां कापडे काय है घरीमां कारडां उे घउा मरए जल। उउ ममां री मजी उयेवेग ताए पुमनडा कउं घुमी पुपउ ररए ज। ताए घेडां, मैगीउ, ताए, ररा कउं उरिउरागी उे द्वागद्वामे कारि मउउदपठ सिभाए जल सितां रगी दिकारती मजीवर कउं मातमिर गप ताए वेग घइरा जे कउं दिकार ममां री मजी उयेवेग बरा जे।

3. मजि कउं रकउर दिकारी डीअ रम्भाग उइउ (Tension due to over crowded city and offices Place)

कारुतर उरिउरागीकर री रागर मजिां दिक सतमैथिमां हूप गरी जे। सतमैथिमां री हूपड ताए मजिां दिक डीअ हूप गरी जे। दिस ररी दिसरु रिास कउं उउउ है रर बरत ररी मतेवेसत घउउ, मउउदपठ जे। रि दिकारती है जे सिभारा उडास, कउं उखमउं मजिम बरत दिक मजिउडा बरा जे कउं ताडी पुडाडी है ही ममां मररा जे।

4. घरीमां कारडां उे घउाउि (Prevention from Bad Habits):-

गुवर दिकारती बोल उार नौदल दिक दिकार ममां जेां जे। जेव रिम दिकार ममां है कलउमर रिभाहं दिके घउीउ रुगी बीडा साइगा डां रिम रा नैसमान थिडी ररी गलीरावर मिा उे मरा जे कउं मैडाकल गरी जे रि उउ लमे दिक हूप साह। मतेवेसत नैसमान पीडीमां है घरीमां कारडां उे घउाउिां जे उे थारी ममां रा उरिउउ उयेवेग जेां जे।

5. मैउरिउ हापा (Balanced Growth):-

रकउर, रम्भागे कउं खत दिक रिम बरत ताए मैपठ मजीवर ममां री उडां दिक सिवठ बडु दिकार ममां री जी समउ उे थारी जे।

Date: _____
निम्नलिखित चित्रों का संयुक्त चित्र तैयार कीजिए और बताइए कि
यह संयुक्त चित्रों से मंगलिका तथा मंडल से किस
विषय को दर्शाता है।

6. आत्मसंतुष्टि (Emotional Satisfaction) :-

बच्चे को जिस प्रकार की आत्मसंतुष्टि है वह उसे
जो, किसी भी सही और सकारात्मक चित्रों का एक ही रूप
में ही प्राप्त होता है। जैसे कि खेल, गाना और पुस्तक
इस प्रकार कि वह आत्मसंतुष्टि प्राप्त करे और किसी भी
दुःख के कारण आत्मसंतुष्टि नहीं करेगा।

7. नैतिक और आचरण विकास (Moral and Character Development) :-

संयुक्त चित्रों से बच्चे को नैतिक और आचरण
विकास के लिए जो नैतिक गणना का विकास
करा है, जिससे वह नैतिक और आचरण विकास करेगा।
जो मर्यादा, उदाहरण के लिए, शिक्षण, मर्यादा और
विचारों का वह विकास करेगा जो कि वह संयुक्त
संयुक्त का विकास करेगा।

8. स्वास्थ्य (Health) :-

संयुक्त की उचित मर्यादा से बच्चे को
जो उचित है वह स्वस्थ है। मर्यादा से जो वह स्वस्थ
उत्तर देगा वह और मर्यादा करेगा वह वह मर्यादा
करेगा, जिससे वह स्वस्थ और मर्यादा करेगा
इस प्रकार कि वह स्वस्थ करेगा।

9. मानसिक विकास (Mental Development) :-

बच्चे को जिस प्रकार की मानसिक
संयुक्त चित्रों से वह स्वस्थ है जो कि उसका मानसिक
विकास है। मर्यादा चित्रों का प्रतिफल है कि वह
स्वस्थ है कि वह मानसिक उचित है कि वह स्वस्थ और
बच्चे को मानसिक विकास है कि वह स्वस्थ करेगा।

रखीमां उन। हि ऐसीमां कसिमां वहीमां दिरमिउ
रखीमां उन से निर हिकरती कापडे सीक दिसे राकी
एउ के कापडाही गेरा उन।

4. निजी ऐसीमां (Private Agencies) :- एउता ऐसीमां
दिसे कापडाहिउ रसेव कउडे मेदाहा उरीमां उन से रिक्सां
ए मेधवां एी उराही एही वहाहीमां नाहीमां उन कउडे
निता दिसे मेधवमिय उहे दोग ए कापाव उ मिहरी
उन निजी ऐसीमां दिसे उरोग, उरर, मयोरुम मेगठन
कउडे उर रसेव माभिर उरे उन। एिनां दिसे उहे एउ
युगाम रेहए मेधवां एही गी उरे उन। एिउ धावगी
एनां कउडे निजी ममवसन उ निरउठ नगी उरे। एिह
उरामह उठ रिष उन।

(a) उरोग (Industry) :- उरोग कापडे उमरागीमां
ने छिडिउ मनेकन मुझउं युएठ वरा उन। उरुं कउडे
उरुं ए परिहाव एही यउ ए मेराक डिमाव रीउ
नाए उन। उमरागीमां कउडे उरुं ए परिहाव
एही पुमह, मेगीउमही कउडे ताटी मनेकन एा पुधप
रीडा नाए उन।

(b) पवभिर रसेव (Religious clubs) :- मेउदाव कउडे
वह उर एिउ पवभिर ममागमा उ रेव ममाभिर
वय ताए दिसे उरे उन। उरर ममउ-गठन ए मेरे
युएठ वरा उन दिसे :- उवाहन हिमठ एा सतम-रिठ
ना सतम-कमठगी एमरिा, गठ ताकन एह सी एा
सतम एिउ कउडे गठ गेधिर मिप सी एा सतम रिठ
काए। एिम एही उरर एिहरे गवय एही रिक्सां
एा पुधप वरा उन।

(c) यउ मेगठन (Sports organisation) :- यउं एी

हवरी उंची हेर विगडा सिधें रीतम, विगडी उर उडा, रूय-दीरु, मंगल विरम मंडी कजला, विराव रगतां, यगड, उडे पुडतां कारि घडां ए कलमवय जसां रेंघां ए लिग्गाड उरिमा नै रि दितां घडां हें, ममगपिउ उर। दितां रेंघां ए मंधव उरु पोप ए उर उर। दितां दिउ, रूड रेंघ रेंघ ममगीर रेंगां रेंगी युरे नार उर मंड रूड रेंघ रेंघ पुमंध विडरीमा एरी युरे गळे रू। दितां दिउ उर पुरावु ए वड मुराधर एरी वमली मय, गज मंडा ए माधर उर नै लिपम धडा उरीमां उर मंड वमली लतांमंड हें उर उर उर रवरीमां रू।

4) उर रेंघ (Other rules) :-

मपेवम मंडक उ दितां घउउ मार उर रेंघ उर। दितां दिउ ममसिब रेंघ, ताड रेंघ, मार रेंघां ए रूय - ताड गारुय, मउरस रेंगा, दिर मंड वरु रेंघ पुमंध उर। दितां दिउ, घउउ मारीमां रेंघां ए घउउ वर मधतर मंधव उर उर। दिउ मधर मंधां ए नील उरु एरु, पुडाए, पाडिर उर, विडिरि दिउ रेंघ मपवत पिंडां एरी धडाए गळे उर। दितां रेंघां दिउ घउउ मारीमां मंडां ए रेंघ, रू। रिम ही रेंघ ए मंधव उरु ए रघत दिउ ए मम रू उगी उर लिग्गाडरागी रूग ताड एउ रेंगी मारी उर।

5) दुपार एरीमां (Commercial Agencies) :-

दुपार मंडक हें दिउ मरु मंडक ए रूय दिउ यगिडामिउ रीडा नांरां उर रिम दिउ उरग रेंघ एरु दिग्गरीमां हें यमा एरु यरु उर रेंगां ए मंडक सिधें दिग्गा, रेंगिदि, उडी उर मधरु कारि दुपार मंधप मंडक ए उरग रू। दुपार मंधप एरीमां मंध रूय ताड एउ ताड उर उर उरीमां उर नां रि मंधां ताड। मंडक मम उर उर रिमरीमा उर उर।